Faculty of Education

Class: M.A. IV Sem (HINDI)

Paper I आधुनिक हिन्दी काव्य -II

Code: HIN -401

कोर्स ऑब्जेक्टिव –

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। आधुनिक हिन्दी कवियों का विशिष्ट ज्ञान।

विषय आउट कम्स –

हिन्दी साहित्य के आधुनिक हिन्दी कवियों के इतिहास का अध्ययन एवं प्रमुख कवियों व युग की समझ विकसित करना।

1. अज्ञेय, भवानी प्रसाद मिश्र मुक्ति बोध नागार्जुन के कविताओं का अध्ययन।
2. आशा के मूल्यों को जानने के लिए और छायावाद की साहित्यिक प्रवृत्तियों को जानने में सक्षम है।
3. छायावादी लेखकों के बारे में जानने में सक्षम जयशंकर प्रसाद निराला पंत महादेव वर्मा दिनकर।
4. अपने अनुभव और अपने जीवन के दर्शन से संबंधित करके आधुनिक कतिवाओं को समझना।
5. केदारनाथ सिंह धर्मवीर भारती नागार्जुन शमशेर बहादुर के विचारों को समझे।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

1. अज्ञेय– नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की हरीघास पर क्षण भर।
2. मुक्तिबोध– भूल गलती, अंधेरे में ब्रहम्राक्षस।
3. भवानी प्रसाद मिश्र– गीत फरोश, सतपुड़ा के घने जंगल।
4. नागार्जुन– बादल को घिरते देखा है।

इकाई–2

अज्ञेय से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–3

मुक्तिबोध से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4

भवानी प्रसाद मिश्र से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–5

त्रिलोचन, सुदामा, प्रसाद, धूमिल, केदारनाथ अग्रवाल, दुष्यंत कुमार त्यागी, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
2. नई कविता – स्वरूप और समस्याएं–डॉ जगदीश चन्द्र गुप्त
3. मुक्तिबोध – कविता और जीवन विवके– चंद्रकांत देवतले
4. निराला और मुक्तिबोध – नन्द किशोर नवल
5. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान का विकास– केदारनाथ सिंह
6. नयी कविता और अस्तित्ववाद– डॉ रामविलास शर्मा
7. नयी कविता का आत्म संघर्ष– मुक्तिबोध
8. अज्ञेय और आधुनिक रचना समस्या– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

Faculty of Education
Class: M.A. IV Sem (HINDI)
Paper II – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा-II
Code: HIN -402

कोर्स आब्जेक्टिव–

भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी। भाषा की विशेषताओ और उपांगो का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा।

विषय आउट कम्स–

भाषा और उसके उपांगो का ज्ञान।

1. कार्यात्मक हिन्दी के विभिन्न रूपों को समझने के लिए।
2. कार्यात्मक हिन्दी के आवेदन के अर्थ और क्षेत्र का अध्ययन करनां
3. विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी के उपयोग को समझते हैं।
4. 1993 और 1976 की आधिकारिक भाषा अधिनियमों का अध्ययन करें।
5. विभिन्न प्रकार के आधिकारिक पत्रों और छात्रों के बारे में जानने के लिए वे पत्र कैसे लिख सकते हैं।
6. हिन्दी भाषा के तकनीकी शब्दों के बारे में जानने के लिए।
7. एनोटेशन लेखन रिपोर्ट लेखन संक्षेपण लेखन का अभ्यास।
8. अनुवाद का अच्छा ज्ञान प्राप्त करते हैं।
9. अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद के बारे में जानने के लिए वे अनुवादक दुभाषिया आदि बन सकते हैं।
10. छात्र इस पेपर को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद आसानी से विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत हो सकते हैं।
11. संचार कौशल सीखने के लिए।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि– प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृति और उनकी विशेषताएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं, पालिक प्राकृत, शौरसेनी अर्द्ध मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण।

इकाई–2

हिन्दी का भौगौलिक विस्तारः हिन्दी की उप भाषाएं, पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां, खड़ीबोली ब्रज और अवधि की विशेषताएं।

इकाई–3

हिन्दी का भाषिक स्वरूपः हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंडय, खण्डयेत्तर, हिन्दी शब्द– रचना उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूप रचना, लिंग वचन और कारक, व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया वाक्य पदक्रम और अन्वित।

इकाई–4

हिन्दी के विविध रूपः संपर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी माध्यम भाषा संचार, भाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई–5

हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएंः आंकड़ा– संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी, मशीनी, अनुवाद हिन्दी भाषा– शिक्षण, देवनागरी लिपि और मानकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास– डॉ. उदयनारायण तिवारी
2. भाषा विज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू
4. ग्रामीण हिन्दी बोलियां– हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा का विकास– डॉ. रामकिशोर वर्मा
6. भाषा विज्ञान हिन्दी भाषा और लिपि– डॉ. रामकिशोर शर्मा

Faculty of Education
Class: M.A. III Sem (HINDI)
Paper III:नाटक निंबंध और गद्य की विधाएं-II
Code: HIN -403

कोर्स ऑब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य की गद्य की विधाएं नाटक और निबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं नाटक और निबंध का ऐतिहासिक अध्ययन।

विषय आउटकम्स –

नाटक और निबंध का सामाजिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन।

1. निर्मला के माध्यम से मध्यम वर्ग की महिला के बारे में प्रेमचंद के दर्शन को समझते है।
2. हिन्दी लघु कथाओं के साहित्यिक रूझान का अध्ययन करें।
3. जयशंकर प्रसाद, यशपाल और रांगेय राघव के जीवन इतिहास और साहित्यिक कार्यों का अध्ययन करें।
4. हिन्दी निंबंध लेखन की साहित्यिक प्रवृत्तियों का अध्यन करना।
5. प्रख्याता हिन्दी निबंध लेखकों की अभिव्यक्ति की शैली में विभिन्न विचारों और परिवर्तन का अध्ययन करें।
6. वर्तमान विषयों और साहित्य पर अधिक ज्ञान प्राप्त करने और यह जानने में सक्षमहै कि कैसे लिखें।
7. हिन्दी के एकांकी नाटक के साहित्यिक रूझान का अध्ययन करें।
8. प्रख्यात हिन्दी एक अधिनियम के लेखकों को उनके लेखन के माध्यम से जानने के लिए।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप एवं प्रवृत्तियों– निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रिपोतार्ज, डायरी एवं फिचर लेखन।

इकाई–2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– चिंतामणि कविता क्या है, श्रृद्धा और भक्ति, क्रोध, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी– कल्पलता– अशोक के फूल, कुटज।

इकाई–3

मुक्तिबोध– एक साहित्यिक की डायरी, अज्ञेय, अरे यायावर रहेगा याद, हरविशं राय बच्चन क्या भूलु क्या याद करूं।

इकाई–4

हरिशंकर परसाई– प्रतिनिध व्यंग्य– विकलांग श्रृद्धा का दौर, भोलाराम का जीव, एक दीक्षांत भाषण।

इकाई–5

महादेवी वर्मा– पाठ के साथी– रविन्द्रनाथ टैगोर, मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिन्दी निबंध के आधार स्तम्भ– डॉ हरिमोहन
2. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार – डॉ हरिमोहन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ नगेन्द्र
4. हिन्दी नाटक के सौ बरस– शिल्पायन

Faculty of Education
Class: M.A. IV Sem (HINDI)
Paper IV: कबीरदास
Code: HIN -404

कोर्स ऑब्जेक्टिव–

1. जीवन के दर्शन के साथ–साथ कबीरदास के साहित्य को समझना।
2. भक्तिकालीन संत कति कबीरदास ओर जायसी के लेखन का अध्ययन करने के लिए।
3. कबीरदास जी की निर्गुण भक्ति और राम भक्ति कविता का अध्ययन करने के लिए।

   भक्ति संस्कृति का दर्शन और हमारे दिन–प्रतिदिन के जीवन पर इसका प्रभाव।
4. जीवन के दर्शन के साथ–साथ दादूदयाल, मीराबाई और रसखनन के साहित्यिक कार्यों को भी समझते हैं।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

कबीर ग्रंथावली –

(क) प्रारंभिक 25 पद व्याख्याएं एवं विवेचन के लिए निर्धारित अंश।

(ख) रमैनी समग्र।

इकाई–2

आलोचनात्मक प्रश्न– निर्गुण संप्रदाय और कबीर, संत काव्यधारा में कबीर का स्थान कबीर का दर्शन एवं भक्तिभावना।

इकाई–3

कबीर के दार्शनिक विचार, कबीर की काव्य प्रतिभा, भाषा एवं अभिव्यंजना, कबीर का रहस्यवाद हठयोग की साधाना कबीर का समाज सुधारक रूप एवं युग सापेक्षता।

इकाई–4

कबीर की सखियों का महत्व, कबीर की योग फरक रूपक और उलटबंसियाएं।

इकाई–5

द्रुतपाठ– (1) नानक (2) दादू (3) पीपा (4) रैदास

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. कबीर ग्रंथावली – डॉ. श्याम सुन्दर दास
2. कबीरदास – डॉ. कांतिकुमार जैन
3. संत कबीर – डॉ. रामकुमार वर्मा
4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा
5. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. कबीर वङ्ग्यमय – जयदेव सिंह
7. कबीर और जायसी ग्राम समाज एवं संस्कृति– डॉ. लक्ष्मीचंद
8. कबीर एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश